मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 136, मुंबई, गुरुवार, 30 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

# दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

## मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर पूर्व मुख्यमंत्री के आदेशों की खुलेआम उड़ा रहा है धज्जियां

## स्टे के बावजूद अवैध निर्माण कार्य को पूरा करवाने में माहिर हैं DHANAJI HERLEKAR

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कुछ दिनों पहले एक आदेश जारी करते हुये कहा था कि किसी भी वार्ड के अंतर्गत अगर कोई भी अवैध निर्माण होता है तो उसपर तुरंत ठोस कार्रवाई की जायेगी, नहीं तो वहां के वार्ड ऑफिसर को सस्पेंड कर दिया जायेगा, इसके बाद भी मनपा बी/वार्ड के सबसे बड़ा भ्रष्ट सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर पूर्व मुख्यमंत्री के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुये भूमाफिया रफीक राजस्थानी को अवैध निर्माण करने के लिए दे रखी है खुली छूट

**धनाजी हेरलेकर**
सहायक आयुक्त, मनपा बी/वार्ड

### क्या किसी बड़ी दुर्घटना घटने के बाद ही नींद से जागेंगे सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर?

**मुंबई।** महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुये मनपा बी/वार्ड प्रभाग क्र. 224 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत 89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर, 11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई में सबसे बड़ा भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर की मेहरबानियों से धड़ल्ले से अवैध निर्माण का कार्य किया जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

भूमाफिया शब्बीर पटेल द्वारा किये जा रहे अवैध निर्माण की तस्वीर
Ward No. 223 Beside.Deewani Clinicshop No. 22/24/26 Tantanpura street Near Hotel al Rehmaniya Khadak Mumbai. 400009

89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर
11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

# महाराष्ट्र में आज ही फ्लोर टेस्ट

## सुप्रीम कोर्ट से उद्धव को राहत नहीं, जेल में बंद नवाब मलिक और अनिल देशमुख को वोटिंग की इजाजत

**मुंबई।** महाराष्ट्र विधानसभा में आज फ्लोर टेस्ट होगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार शाम को 3 घंटे 10 मिनट तक चली सुनवाई के बाद यह फैसला दिया। शिवसेना ने फ्लोर टेस्ट के खिलाफ, जबकि शिंदे गुट और राज्यपाल के वकील ने फ्लोर टेस्ट के पक्ष में दलीलें पेश कीं। शाम 5 बजकर 18 मिनट से 8 बजकर 28 मिनट तक सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

## कुर्ला इमारत हादसा

# कुछ फ्लैट मालिकों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज

**मुंबई।** मुंबई पुलिस ने उपनगरीय कुर्ला में एक इमारत ढहने की घटना को लेकर कुछ फ्लैट के मालिकों और अन्य के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुर्ला की नाइक नगर को-ओपरेटिव सोसायटी में स्थित आवासीय इमारत का एक हिस्सा सोमवार देर रात ढह गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

# एडवोकेट सलमान खान का फोटोशॉप करके नंगी तस्वीर किया गया वायरल

## ओशिवरा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज

### ऐसे गिरोह से युवा पीढ़ी को घबराने की जरूरत नहीं, नजदीकी पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाये मामला

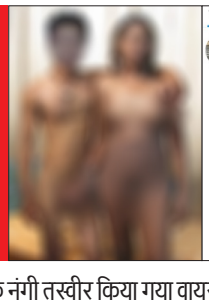

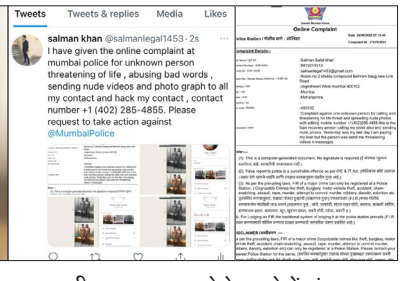


**मुंबई।** एडवोकेट सलमान खान का फोटोशॉप करके नंगी तस्वीर किया गया वायरल, तस्वीर वायरल न करने के बदले में मांगा गया था पैसा। एडवोकेट सलमान खान को आरोपी बार-बार दे रहा था धमकी। ओशिवरा पुलिस स्टेशन में किया गया मामला दर्ज। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

### चिंता बढ़ाती महंगाई

**जिस** समय दुनिया की बड़ी शक्तियां जर्मनी में जी-7 की बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर माथापच्ची कर रही थीं, ठीक उसी वक्त देश में आई एक खबर मध्यवर्ग, खासकर निम्न आयवर्ग के लोगों की परेशानी बढ़ाने वाली है। खबरों के मुताबिक, पिछले पांच दिनों में देश में चावल के दामों में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है और इसके पीछे वजह पड़ोसी बांग्लादेश द्वारा गैर-बासमती चावल पर आयात शुल्क में भारी कटौती बताई जा रही है। दरअसल, बांग्लादेश एक सघन आबादी वाला देश है। उसने कृषि उत्पादन के मामले में भी भरपूर तरक्की की है। वहां धान की अच्छी-खासी पैदावार होती है, लेकिन इस बार बाढ़ के कारण उसकी फसलों को बहुत नुकसान हुआ है, ऊपर से यूक्रेन का युद्ध कोढ़ में खाज बनकर आ गया। इसलिए चावल का स्टॉक बढ़ाने के लिए उसने यह कदम उठाया है। लेकिन हमारे घरेलू बाजार में चावल की आपूर्ति पर इसका असर दिखने लगा है। चावल और गेहूं हमारे मुख्य खाद्यान्न हैं और इनकी कीमतों में कोई भी बढ़ोतरी हरेक घर की रसोई के बजट पर असर डालती है। खाने-पीने की चीजों की महंगाई लोगों को सबसे ज्यादा परेशान करती और सरकारों की लोकप्रियता-अलोकप्रियता के निर्धारण में भी इसकी बड़ी भूमिका है। प्याज को लेकर तो कहावत चल पड़ी है। यही कारण है कि इस साल अप्रैल के मध्य में आटे की कीमतों में जब अप्रत्याशित वृद्धि हुई, और एकाधिक जगहों पर यह 55 रुपये प्रति किलो के ऊपर चली गई, तब सरकार को आनन-फानन में गेहूं के निर्यात पर रोक लगानी पड़ी। हालांकि, सरकार ने तब दावा किया था कि उसके पास पर्याप्त भंडार है, पर हकीकत यही है कि इस बार गेहूं की सरकारी खरीद काफी कम हुई है और सरकार भविष्य की चुनौतियों को लेकर आशंकित हो उठी थी। रूस और यूक्रेन, दोनों गेहूं के बड़े उत्पादक देश हैं और उनके युद्ध के कारण समूची आपूर्ति शृंखला बाधित हो चुकी है। ऐसे में, अमेरिका से लेकर दक्षिण एशिया तक महंगाई दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। भारत एक विशाल आबादी वाला देश है। यह सुखद है कि दशकों पहले हम खाद्यान्न उत्पादन के मामले में एक खुदमुख्तार देश बन चुके हैं। यह कामयाबी कितनी बड़ी राहत है, इसका एहसास हमें महामारी के चरम दिनों में हुआ। तब देश के लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज योजना का लाभ मिला। यह अब भी जारी है, बल्कि केंद्र सरकार ने सितंबर तक इसे विस्तार दिया है, लेकिन इतनी बड़ी आबादी को अनवरत मुफ्त खाद्यान्न मुहैया नहीं कराया जा सकता। ऐसे में, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जब तीन महीने बाद यह योजना खत्म होगी, या इसमें किसी तरह की कटौती होगी, तब कितनी बड़ी आबादी को चावल-आटे की मौजूदा महंगाई से दो-चार होना पड़ेगा। अन्य वस्तुओं के बढ़ते दाम से भी लोग परेशान हैं। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के सदस्य जयंत वर्मा का कहना है कि उच्च महंगाई पर फौरी नियंत्रण की कोशिश में देश की अर्थव्यवस्था को कोई नुकसान नहीं पहुंचने देना चाहिए, क्योंकि यह बहुत मुश्किल से पटरी पर लौटी है। निस्संदेह, अर्थव्यवस्था के दीर्घकालिक हितों की रक्षा होनी चाहिए, पर महंगाई को लगाम लगाना इसलिए भी जरूरी है कि यह सामाजिक अराजकता को जन्म दे सकती है। दुनिया के कई देश महंगाई के कारण व्यापक जन-आंदोलनों का सामना कर रहे हैं।

# राष्ट्रपति कैसा होना चाहिए?

**विपक्षी** पार्टियों के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने एक अच्छी बहस की शुरूआत की है। उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन करने के बाद अपनी प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 'राष्ट्रपति का पद इस लोकतंत्र में चेक एंड बैलेंस बनाने के लिए हो। इसे केवल औपचारिकता निभाने वाला पद नहीं माना चाहिए'। उन्होंने आगे कहा 'राष्ट्रपति भवन में सिर्फ उसी व्यक्ति को जाना चाहिए, जो आवश्यक बिंदुओं पर सरकार को सलाह दे सके। लेकिन यदि इस पद पर कोई ऐसा व्यक्ति पहुंचता है, जो सरकार के कब्जे में है तो वह इस पद के साथ जुड़ी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर पाएगा। लिहाजा इस पद पर केवल उसी व्यक्ति को पहुंचना चाहिए, जो संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत कर सके'।

उनकी कही दो-तीन बातें बेहद अहम हैं। पहला तो यह कि राष्ट्रपति का पद चेक एंड बैलेंस के लिए होता है। भले संविधान में यह कहा गया हो कि राष्ट्रपति केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह से काम करेगा, लेकिन असल में उसका पद इससे बड़ा होता है और उसके ऊपर संसदीय व्यवस्था में संतुलन बनाने की जिम्मेदारी होती है। दूसरी अहम बात यह है कि राष्ट्रपति जरूरी मसलों पर सरकार को सलाह और निर्देश दे सके। जरूरी मसले किसी तरह के हो सकते हैं। दुर्भाग्य से भारत में ऐसी व्यवस्था नहीं विकसित हुई, जिसमें राष्ट्रपति अपनी ओर से आगे बढ़ कर सरकार को सलाह दे। आमतौर पर राष्ट्रपति सरकार की सलाह पर ही काम करते हैं और अपनी आंखों के सामने घटित हो रहे असंवैधानिक कामों में भी दखल नहीं देते हैं। यशवंत सिन्हा की कही तीसरी बात और भी महत्वपूर्ण है। वह ये है कि राष्ट्रपति पद पर ऐसे व्यक्ति को पहुंचना चाहिए, जो संवैधानिक व्यवस्था को मजबूत कर सके। मौजूदा समय की यह नंबर एक जरूरत है कि संवैधानिक व्यवस्था सुचारू रूप से काम करे और संवैधानिक संस्थाएं मजबूत हों। सबको पता है कि यशवंत सिन्हा राष्ट्रपति का चुनाव नहीं जीतेंगे। इसलिए उनकी सदिच्छा का भी कोई ज्यादा मतलब नहीं है। असल में भारत में राष्ट्रपति का चुनाव वहीं जीतता है, जिसे सरकार का समर्थन होता है। तभी सवाल है कि सरकार क्यों किसी ऐसे व्यक्ति को राष्ट्रपति बनाना चाहेगी, जो उसके कामकाज में दखल दे या उसे सलाह-मशविरा दे? सरकार तो ऐसे व्यक्ति को ही राष्ट्रपति पद पर बैठाना चाहेगी, जो देश के प्रथम नागरिक की प्रतीकात्मक भूमिका निभाए और सरकार की सलाह पर काम करे। भारत में अब तक ऐसा ही होता आया है। अगर इससे अलग कुछ हुआ तो व्यवस्था बिगड़ जाएगी। अगर राष्ट्रपति बहुत सक्रिय हो जाए और संविधान की व्यवस्था से आगे बढ़ कर सरकार के कामकाज में दखल शुरू करे तो उससे भी संवैधानिक व्यवस्था बिगड़ेगी। जैसा अभी कई राज्यों में हो रहा है। राज्यपाल का पद भी राष्ट्रपति की ही तरह प्रतीकात्मक महत्व का होता है और उसे राज्य सरकार की सलाह से काम करना होता है। लेकिन विपक्षी पार्टियों के शासन वाले राज्यों के कामकाज में कई राज्यपाल दखल दे रहे हैं, जिससे बेवजह का विवाद पैदा हुआ है। सरकार के कामकाज में राज्यपालों के दखल से कोई राजनीति भले सध रही हो लेकिन कोई सकारात्मक बदलाव नहीं हो रहा है। इसलिए यह बड़ा सवाल है कि क्या ऐसा राष्ट्रपति ठीक होगा, जो केंद्र सरकार के कामकाज में दखल दे?

यशवंत सिन्हा ने जो कहा वह सुनने में बहुत अच्छा लग रहा है। वे एक आदर्श स्थिति की बात कह रहे हैं, लेकिन वह यूटोपिया की तरह है। वह कल्पना लोक की बात है। यह सही है कि देश के सारे काम राष्ट्रपति के नाम से होते हैं लेकिन राष्ट्रपति की शक्तियां बहुत सीमित हैं। उन सीमित शक्तियों के साथ काम करते हुए संवैधानिक व्यवस्था का संतुलन बनाना आसान काम नहीं है। ऐसा भी नहीं लगना चाहिए कि किसी अन्य मकसद से राष्ट्रपति सरकार के कामकाज में दखल दे रहे हैं और ऐसा भी नहीं लगना चाहिए कि राष्ट्रपति अपनी आंखों के सामने संवैधानिक व्यवस्था से खिलवाड़ होने दे रहे हैं। दुर्भाग्य से भारत में ऐसे एकाध ही राष्ट्रपति हुए हैं, जिन्होंने ऐसा संतुलन बनाए रखा। ज्यादातर राष्ट्रपति रबर स्टैंप की तरह काम करते रहे। कुछ राष्ट्रपति ऐसे भी रहे, जिनका प्रधानमंत्री या सरकार से टकराव हुआ लेकिन वह संवैधानिक व्यवस्था को लेकर या नीतिगत मसले पर नहीं था। वह टकराव या तो व्यक्तिगत था या राजनीतिक था। मिसाल के तौर पर पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद और पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बीच कई मसलों पर विवाद हुआ। राष्ट्रपति द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर में ब्राह्मणों के पैर धोने का मामला हो या हिंदू कोड बिल रोके जाने का मामला हो, दोनों के ज्यादातर विवाद दोनों की निजी मान्यताओं की वजह से थे। संवैधानिक व्यवस्था या परंपरा को लेकर दोनों के बीच कोई विवाद नहीं रहा। इसी तरह ज्ञानी जैल सिंह का राजीव गांधी के साथ टकराव रहा लेकिन वह भी संवैधानिक व्यवस्था या परंपरा को लेकर नहीं था, बल्कि पंजाब की राजनीति और जैल सिंह की निजी महत्वाकांक्षा की वजह से था। शंकर दयाल शर्मा और पीवी नरसिंह राव के बीच भी टकराव रहा लेकिन वह पूरा टकराव कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी राजनीति से निर्देशित था। राव स्वतंत्र रूप से राजनीति कर रहे थे और सरकार चला रहे थे, जबकि शंकर दयाल शर्मा को नेहरू-गांधी परिवार के हितों का भी ख्याल रखना था।

अब तक के इतिहास में केआर नारायणन इकलौते ऐसे राष्ट्रपति हुए, जिन्होंने संवैधानिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्टैंड लिया और जरूरत पड़ने पर दलगत राजनीति से अलग देश के प्रथम नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाई। उनके राष्ट्रपति बनने के थोड़े दिन के बाद अक्टूबर 1997 में आईके गुजराल की केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को हटा कर राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश भेजी थी। लेकिन राष्ट्रपति नारायणन वे उसे वापस लौटा दिया था। आजाद भारत के इतिहास में वह पहला मौका था, जब किसी राष्ट्रपति ने केंद्र सरकार की सिफारिश लौटाई थी। इसके ठीक एक साल बाद सितंबर 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी की केंद्र सरकार ने बिहार में राबड़ी देवी की सरकार को हटा कर राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश की थी और नारायणन ने उसे भी लौटा दिया था। हालांकि बाद में जब कैबिनेट ने दोबारा सिफारिश भेजी तो उन्हें उसे स्वीकार करना पड़ा। इसके बावजूद उनके ये दोनों फैसले ऐतिहासिक महत्व के हैं और यह दिखाते हैं कि कैसे राष्ट्रपति दलगत भावनाओं से ऊपर रह सकता है। सोचें, यह काम उन्होंने इसके बावजूद किया कि वे देश के पहले राष्ट्रपति थे, जिन्होंने आम चुनाव में वोट डाला था। उससे पहले राष्ट्रपति आम चुनाव में वोट नहीं डालते थे। नारायणन ने 1998 के आम चुनाव में आम लोगों के साथ कतार में खड़े होकर वोट डाला था। इसका मतलब है कि किसी न किसी पार्टी के साथ उनका जुड़ाव था, जिसे उन्होंने वोट दिया। इसके बावजूद उन्होंने जनता सरकार और भाजपा सरकार दोनों की सिफारिशें लौटाईं। बतौर राष्ट्रपति उनके कार्यकाल के आखिरी साल में गुजरात दंगे हुए थे और नारायणन ने तब के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को कई चिट्ठियां लिखी थीं और दंगों में राज्य की भूमिका को लेकर सवाल उठाए थे। सो, अगर इस सवाल का जवाब देना हो कि भारत का राष्ट्रपति कैसा होना चाहिए तो केआर नारायणन का नाम लिया जा सकता है। राष्ट्रपति उनके जैसा होना चाहिए, जो जड़ परंपराओं को तोड़े और ऐसी परंपरा स्थापित करे, जिससे संवैधानिक व्यवस्था और लोकतंत्र दोनों मजबूत हों। साथ ही दलगत भावनाओं से ऊपर रहे और प्रधानमंत्री या सरकार के साथ बिना टकराव पैदा किए प्रथम नागरिक की अपनी जिम्मेदारी भी निभाए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

# मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर को जान से मारने की धमकी भरा पत्र मिला

**मुंबई।** मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर ने बुधवार को कहा कि उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी वाला पत्र प्राप्त हुआ है। शिवसेना नेता ने कहा कि लोअर परेल स्थित घर पर धमकी भरा पत्र प्राप्त होने के बाद उन्होंने भायखला पुलिस थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पेडनेकर ने कहा कि पत्र में

अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है और चेतावनी दी गई है कि 'नयी सरकार' बनने के बाद उन्हें, उनके बेटे और पति को जान से मार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्र लिखने वाले ने अपना नाम उरण निवासी 'विजेंद्र म्हात्रे' बताया है। पेडनेकर ने कहा कि उन्हें इसी नाम से दिसंबर 2021 में इसी तरह का पत्र मिला था।

# कलवा मुंब्रा शील में बिजली चोरी करने वाले हो जाएं सावधान

## टोरेंट पावर कंपनी द्वारा चलाया जाएगा विशेष जांच अभियान

**संवाददाता/समद खान**

**मुंब्रा।** कलवा मुंब्रा दिवा शील मैं बिजली चोरी करने वाले हो जाएं सावधान टोरेंट पावर द्वारा चलाया जाएगा विशेष जांच अभियान इस मामले में आपको बताते चलें टोरेंट पावर कंपनी द्वारा बताया जा रहा है जो भी शून्य से लेकर कम खपत दिखने वाले मीटर है उनकी जांच के लिए विशेष टीम का घटन किया गया है टोरंट ने बताया कलवा मुंब्रा शील मैं 30 हजार मीटर है जो कम खपत के दायरे में है जिनमे 20 हजार मीटर की खपत प्रति माह शून्य यूनिट है और शेष 10 हजार मीटर है जिनका यूनिट शून्य से 30 यूनिट प्रति माह है जो टोरेंट अधिकारी को अचंबा मैं डाल रहा है इस संदिग्ध मीटर के तत्वों की जांच के लिए

विशेष जांच अभियान के आदेश आला अधिकारी द्वारा दिए गए हैं उपभोक्ताओं द्वारा बिजली मीटर के साथ किसी भी संभावित गलत काम को उजागर करने के लिए असाधारण रूप से कम से कम उपयोग होने वाला इन उपभोक्ताओं के लिए मीटर की समीक्षा के साथ डोर टू डोर विजिट का आदेश दिया गया है कुछ वास्तविक मामले हो सकती हैं जहां उपभोक्ताओं द्वारा खपत वास्तव में कम है हालांकि शून्य या कम खपत दिखाने वाले मीटरों की वर्तमान संख्या और अधिक है और कुछ उपभोक्ता मीटर बायपास मीटर छेड़छाड़ अनाधिकृत उपयोग अभी जैसे कदाचार में शामिल हो इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता ऐसा उपभोक्ता के खिलाफ टोरेंट कंपनी विद्युत अधिनियम 2003 के दिशा निर्देश के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी उपभोक्ताओं को ध्यान देना चाहिए बिजली चोरी अपराध है और चोरी के लिए 3 साल तक कारावास की सजा या जुर्माना दोनों हो सकता है टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा ग्राहकों से अपील की है कि वह अवैध तरह की बिजली का इस्तमाल करने से बचें।

# नवी मुंबई में लिफ्ट गिरी 4 मजदूरों की मौत, 2 घायल

## मृतकों के परिजनों को 7-7 लाख रुपये और घायल को 2-2 लाख रुपये देने का ऐलान

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**मुंबई।** महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मंगलवार को एक कॉलोनी की लिफ्ट गिर गई, जिसमें 4 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हैं। घायलों को पनवेल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। मंगलवार को नवी मुंबई के तलोजा में शिर्के कॉलोनी में नए भवन का काम चल रहा है। निर्माण सामग्री ले जा रही लिफ्ट गिर गई, जिससे लिफ्ट के पास खड़े दो मजदूरों और लिफ्ट के नीचे कार में बैठे में दो मजदूरों की मौत हो गई।

तलोजा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। तलोजा पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई है। पुलिस मृतकों की उम्र 40 से 45 वर्ष के बीच बता रही है। घटना शाम करीब पांच बजे हुई है। बताया जा रहा है कि घटना फेज -2 आवास परियोजना में हुई है। हादसे की चपेट में आए मजदूर बीजी शिर्के निर्मा फर्म कंपनी से संबंधित थे। ठेका कंपनी बीजी शिर्के ने मृतकों के परिजनों को 7-7 लाख रुपये और घायल को 2-2 लाख रुपये देने का ऐलान किया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

## मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर मुख्यमंत्री के आदेशों की खुलेआम उड़ा रहा है धज्जियां

जब मनपा बी/वार्ड में इस अवैध निर्माण का शिकायत किया जाता है तो मनपा अधिकारियों द्वारा कहा जाता है कि इस निर्माण कार्य पर स्टे लिया जा चुका है, लेकिन सवाल यह है कि अगर इस अवैध निर्माण पर स्टे लिया जा चुका है तो फिर यह अवैध निर्माण का कार्य कैसे जारी है। बता दें कि अभी दो से तीन बिल्डिंग पर स्टे चल रहा है, उसके बावजूद मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के मेहरबानियों से 11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई में नया अवैध निर्माण का काम जोरों शोरों से चालू हो गया है। बता दें कि सूत्रों द्वारा पता चला है कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बी/वार्ड में किये जा रहे अवैध निर्माणों का पैसा किरण दास और विशाल साखरकर द्वारा मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर तक पहुंचाया जाता है। आपको बता दें कि अवैध निर्माण को स्टे दिलाने का लाइसेंस मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के हाथ में है, अगर आपको अवैध निर्माण करना है तो आप सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर से मिलकर स्टे ले लें, फिर स्टे मिलने के बाद पूरे बिल्डिंग का निर्माण करवाने की जिम्मेदारी सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर और म्हाडा के अधिकारियों का है, आपको अवैध निर्माण करने के लिए पूरा परमीशन, लाइसेंस सब मिल जायेगा और स्टे के बाद भी सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के मेहरबानियों से खुलेआम अवैध निर्माण करिए। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व मनपा आयुक्त से निवेदन है कि अगर आपने अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का कानून बनाया है तो उसका पालन भी होना चाहिए, लेकिन आपके द्वारा बनाये गये कानून का मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर द्वारा खुलेआम धज्जियां उड़ाया जा रहा है, अवैध निर्माण पर बनाये गये कानून को मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर कचरा समझकर कचरा पेटी में डाल दिये हैं और खुलेआम अवैध निर्माण करवा रहे हैं।

### एडवोकेट सलमान खान का फोटोशॉप करके नंगी तस्वीर किया गया वायरल

आगे की जांच ओशिवरा पुलिस और सायबर क्राईम द्वारा जारी। जो भी रैकेट इस तरह का कृत्य करता हैं ऐसे लोगों से युवा पीढ़ी को डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। अगर ऐसी घटना किसी के भी साथ घटित होती है तो वह तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में संपर्क करें। क्योंकि ऐसे जालसाल ठगबाज सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को शिकार बनाते हैं और वह लोग बड़े पैमाने पर सक्रीय हो चुके हैं, जोकि आपके मेहनत की गाढ़ी कमाई पर हाथ मारने के चक्कर में रहते हैं।

### कुर्ला इमारत हादसा

बृहन्मुंबई महानगर निगम (बीएमसी) ने इमारत को रहने के लिहाज से खतरनाक घोषित कर दिया था, लेकिन रजनी राठौड़, किशोर चव्हाण, बालकृष्ण राठौड़ और दिलीप विश्वास सहित कुछ फ्लैट मालिकों ने फिर भी अपने फ्लैट किराए पर दिए। इन सभी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि नेहरू नगर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (2), 308, 338, 337 और 34 के तहत फ्लैट मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बीमएसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इमारत का निर्माण 1973 में किया गया था। वहां रहने वाले लोगों ने इसकी मरम्मत कराने का आश्वासन देते हुए एक हलफनामा भी दिया था, लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई।

### महाराष्ट्र में आज ही फ्लोर टेस्ट

इधर, कोर्ट ने जेल में बंद महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक और अनिल देशमुख को भी वोटिंग में हिस्सा लेने की इजाजत दे दी। कोर्ट ने कहा कि दोनों चुने हुए विधायक हैं और उन्हें विधानसभा में वोटिंग के बाद फिर जेल ले जाया जाएगा। महाराष्ट्र में 22 जून को सूरत से जिस राजनीतिक नाटक की शुरूआत हुई, उसके अहम डेवलपमेंट गुवाहाटी से लेकर गोवा में हुए, लेकिन क्लाइमैक्स अभी बाकी है।

## छत्रपति शिवाजी विद्यालय धारावी को मिला स्वच्छता पुरस्कार

**मुंबई।** महात्मा फुले शिक्षण संस्था दवारा संचालित छत्रपति शिवाजी विदयालय धारावी को शिक्षा विभाग दवारा स्वच्छता पुरस्कार दिया गया। संस्था के अध्यक्ष बाबुराव माने साफ सफाई के मामले में बहुत ही सख्त है। उनका कहना है कि स्वच्छता ही हमें हमारे लक्ष्य प्राप्ति में सहायक है। विदयालय परिसर की स्वच्छता के लिए उनका विशेष ध्यान होता है। स्वच्छता

का मतलब विदयालय के विद्यार्थियों से लेकर विदयालय मे कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति साफ-सुधरा होना चाहिए। संस्था के सचिव दिलिप शिदे द्वारा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विदयालय के मुख्याध्यापिका श्रीमती वीणा दोनवलकर तथा अंग्रेजी माध्यम की मुख्याध्यापिका श्रीमती स्वाती होलमुखे द्वारा स्वच्छता के लिए विद्यार्थियों को विशेष स्वच्छता पुरस्कार देकर विद्यार्थियों को स्वच्छता हेतु प्रेरित किया जाता हैं। संस्था अध्यक्ष द्वारा विदयालय में चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को उपसंचालक शिक्षा विभाग ने संज्ञान में लेते हुए विदयालय को जिल्हा स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार से नवाजा। संस्था अध्यक्ष बाबुराव माने ने इस पुरस्कार के लिए सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की भूरि भूरि प्रशंषा की।

## दिल्ली में 1 अक्टूबर से 28 फरवरी तक डीजल वाहनों पर रोक, फैसले से व्यापारी परेशान

**नई दिल्ली।** प्रदूषण का हवाला देते हुए दिल्ली में डीजल वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। दिल्ली सरकार ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए एक अक्टूबर से 28 फरवरी तक मध्यम और भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। ये आदेश सिर्फ वाणिज्यक वाहनों पर लागू होगा। हालांकि, कच्ची सब्जियां, फल, अनाज, दूध और ऐसी जरूरी वस्तुओं को ले जाने वाले वाहनों को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसे लेकर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बुधवार को दिल्ली सरकार के एक अक्टूबर 2022 से 28 फरवरी 2023 तक राजधानी में डीजल वाहनों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने के फैसले को लेकर सभी क्षेत्रों के प्रमुख व्यापारी संगठनों की बैठक बुलायी है। कैट ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सरकार के फैसले से दिल्ली का व्यापार और ट्रांसपोर्ट बुरी तरह प्रभावित होगा। बैठक में इस नर्णिय तथा व्यापार एवं ट्रांसपोर्ट पर इसके विपरीत प्रभावों पर विस्तार से चर्चा होगी और इस मुद्दे पर व्यापारियों का अगला रूख तय किया जाएगा। बयान में कहा गया कि एक अक्तूबर से 28 फरवरी के पांच महीने का समय दिल्ली में त्योहार और शादियों का बड़ा सीजन होता है जिसमें व्यापार का प्रतिशत बाकी वर्ष के सभी महीनों से ज्यादा होता है और इन्हीं पाँच महीनों में यह प्रतिबंध व्यापार को बुरी तरह से प्रभावित करेगा।

## बिहार में असदुद्दीन ओवैसी को बड़ा झटका

### पांच में से चार विधायक राजद में हो गए शामिल

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**पटना।** बिहार की सियासत से बड़ी खबर आ रही है कि असुद्दीन ओवैसी की पार्टी में बड़ी टूट हो गई है। बताया जा रहा है कि एआईएमआईएम के पांच में से चार विधायक राजद में शामिल हो गए हैं। वहीं ओवैसी की पार्टी के चारों विधायकों के राजद में शामिल होने की खबर पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी मुहर लगा दी है। वहीं इस घटनाक्रम से पहले आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा के अध्यक्ष विजय सिन्हा के कमरे में एआईएमआईएम के चार विधायकों के साथ पहुंचकर मुलाकात की थी। इस दौरान जो पांचवें विधायक मौजूद नहीं थे वे थे अमौर के विधायक अखतरुल इमान। बता दें कि बिहार में औवैसी की पार्टी ने विधानसभा चुनाव में अमौर, कोचाधाम, जोकीहाट, बायसी और बहादुरगंज सीट पर जीत दर्ज की थी। हालांकि, एआईएमआईएम ने 2015 में चुनाव लड़ा था लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी थी। एआईएमआईएम को पहली सफलता साल 2019 में लोकसभा चुनाव में किशनगंज सीट पर मिली थी। इस बार एआईएमआईएम ने 20 में से 16 टिकट मुसलमानों को दिया था।

## जीएसटी काउंसिल द्वारा की गई दरों एवं नियमों में बदलाव से बढ़ेगी महंगाईः कैट

**मुंबई।** जीएसटी काउंसिल की 27 और 28 जून को चंडीगढ़ में हुई बैठक में कई कर दरों में संशोधन कर रियायत वापस लेने का फैसला लिया है जिससे महंगाई और भी बढ़ने के आसार हैं यह बताते हुए कौनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महानगर मुंबई प्रांत के अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा कोरोना काल के बाद दुनिया भर में एवं खासकर भारत में महंगाई ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं ऐसे में सरकार को आम जनता को राहत मिल सके इस तरीके के कदम उठाने चाहिए थे। लेकिन महंगाई में इजाफा करने के लिए अनब्रांडेड वस्तुएं जिसमें खासकर नए नियम के मुताबिक अनब्रांडेड चावल, गेहूं, आटा दाल, दही, पनीर, शहद जैसी वस्तुएं जीएसटी के दायरे से बाहर थी अब सरकार ने अनब्रांडेड की व्याख्या को बदलकर प्रीपेक्ड और लेबल लगे हुए सामानों पर 5% जीएसटी दर लागू करने की घोषणा की है। सरकार ने चतुराई से यह निर्णय लिया है क्योंकि कोई भी पैक किया

हुआ सामान एफएसएसएआई नियम एवं तोल माप कानून के अंतर्गत बिना कुछ भी लिखे बेचा नहीं जा सकता है इसके लिए हर सामान प्रीपैक्ड एवं लेबल के दायरे में आ जाएगा इससे महंगाई और भी बढ़ेगी। बैठक के दूसरे और अंतिम दिन, परिषद ने जून से केरल और दिल्ली सहित राज्यों से जीएसटी रिफंड का विस्तार करना चाहती है और ऑनलाइन गेमिंग, घुड़दौड़ पर एक समान 28% कर की दर लगाने का प्रस्ताव किया है। सूखी हरी सब्जियां, सूखा मक्खन, गेहूं और अन्य अनाज, गेहूं या मैसेलियम आटा, गुड़, मुरमुरे, सभी वस्तुओं और जैविक उर्वरकों पर अब 5 प्रतिशत कर लगेगा। प्रिंटिंग, राइटिंग और ड्रॉइंग इंक, कुछ खास तरह के चाकू, चम्मच और टेबलवेयर, डेयरी मशीनरी, एलईडी लैंप और ड्राइंग इंस्ट्रूमेंट जैसी वस्तुओं पर जीएसटी दर 12% से बढ़ाकर 18% करने की घोषणा की गई है। सौर वॉटर हीटर और तैयार चमड़े के लिए 5% से 12% की दर में लाया गया है। गरीब लोगों एवं मध्यम परिवारों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक दिन में 1,000 रुपये से कम कीमत वाले होटल के कमरों पर 12 प्रतिशत कर लगेगा, जो वर्तमान में कर मुक्त है। जीएसटी परिषद ने खाद्य तेल, कोयला, एलईडी लैंप, प्रिंटिंग / ड्राइंग स्याही, तैयार चमड़े और सौर वॉटर हीटर सहित कई वस्तुओं के लिए उल्टे शुल्क संरचना में सुधार की भी सिफारिश की। संगठन के महामंत्री तरुण जैन ने कहा लोगों की उम्मीदें महंगाई कम होने की थी लेकिन जीएसटी परिषद द्वारा किए गए इस परिवर्तन से महंगाई और भी बढ़ेगी और कोरोना काल से परेशानियों में जी रहे लोगों पर महंगाई की गाज गिरेगी।

## उद्धव सरकार के बहाने दांव पर मराठा सरदार शरद पवार की साख

# भाजपा को आखिरी चाल का इंतजार

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**मुंबई।** महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिलने के बाद बदली सियासी तस्वीर के बीच एनसीपी प्रमुख और मराठा राजनीति के सरदार शरद पवार की पूरी राजनीतिक साख दांव पर लगी है। उनकी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले को भरोसा है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार महाराष्ट्र में बनी रहेगी। यही भरोसा आदित्य ठाकरे के करीबी और शिवसेना की युवा इकाई से जुड़े नेता का भी है। जयंत पाटील समेत तमाम नेता आखिरी दांव चलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। दरअसल महाविकास आघाड़ी सरकार एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने ही बनवाई थी। एनसीपी के नेता कहते हैं कि सिर मुड़ाते ही ओले पड़े थे, जब अजीत पवार देवेंद्र फडणवीस के पास चले गए थे, और देवेंद्र 48 घंटे के मुख्यमंत्री बने थे। शिवसेना नेता कहते हैं कि सीन वही ढाई साल पहले वाला है, बस किरदार बदल गए हैं।

### सरकार बचाने की पूरी कोशिश

शिवसेना के नेताओं के अलावा एनसीपी भी सरकार बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार चाहते हैं कि किसी भी तरह से महाविकास आघाड़ी की सरकार न गिरने पाए। एनसीपी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ऐसा हुआ तो विपक्ष में बैठी भाजपा के कुछ नेताओं के लिए यह काफी बड़ा झटका होगा। सूत्र का कहना है कि जब से महाविकास आघाड़ी की सरकार महाराष्ट्र की सत्ता में है, भाजपा के नेताओं ने गिराने, तोड़ने-फोड़ने या सरकार को तंग करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसका सारा कार्यक्रम दिल्ली से ही चला है। यह पवार बनाम दिल्ली के पॉवरफुल नेता की राजनीतिक लड़ाई भी है। राज्य सरकार के एक मंत्री की मानें तो अजीत पवार को घेरने की खूब कोशिश हुई। एनसीपी में भी कई प्रयोग किए गए। शरद पवार की गुजरात में अमित शाह से मुलाकात के बारे में पूछने पर सूत्र का कहना है कि राजनीति में बहुत कुछ चलता रहता है। यह भाजपा के नेताओं को भी पता है कि भाऊ (शरद पवार) राजनीति के कैसे खिलाड़ी हैं? वह कहते हैं कि हमारे दो नेता अनिल देशमुख (पूर्व गृहमंत्री) और नवाब मलिक (अभी मंत्री हैं) जेल में हैं। यहां तक के घटनाक्रम में भी बहुत राजनीति हुई है। एनसीपी नेता का कहना है कि एनसीपी को तोड़ने की भी कोशिश हुई, कांग्रेस को भी दो फाड़ करने के प्रयास हुए, लेकिन विरोधियों को सफलता नहीं मिल पाई।

### शिवसेना का आत्मविश्वास ले डूबा

एनसीपी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि बीच में सबकुछ ठीक चल रहा था। हम सभी को लग रहा था कि कुछ कांग्रेस के विधायक पार्टी का साथ छोड़ सकते हैं। एनसीपी में इस तरह की संभावना नहीं रह गई थी। खुद पवार हर कड़ी पर नजर रख रहे थे। सूत्र के मुताबिक हमारे नेता ने भाजपा के ऑपरेशन लोटस को लेकर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को चेताया था। लेकिन मुझे लगता है कि शिवसेना जरूरत से अधिक आत्मविश्वास में थी। बताते हैं कि दरअसल शिवसेना में उद्धव और आदित्य के साथ-साथ महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे बराबर छवि और पकड़ रखते थे। शिवसेना पुराने शिवसैनिक एकनाथ को लेकर कुछ ज्यादा आश्वस्त भी थी। एकनाथ शिंदे के बेटे तो शिवसेना से सांसद भी हैं।

### भाजपा को पवार के आखिरी दांव का इंतजार

भाजपा के नेताओं को उम्मीद है कि एकनाथ शिंदे जब मुंबई आएंगे तो उन्हें 37 से अधिक विधायक समर्थन देंगे। भाजपा की इस उम्मीद के जवाब में एनसीपी और शिवसेना पूरी तरह ना में सिर हिला देते हैं। एक सांसद महोदय नाम न छापने की शर्त पर कहते हैं कि एकनाथ शिंदे के मुंबई आने के बाद उनके पास 25 विधायक भी नहीं रहेंगे। सूत्र का कहना है कि शिवसेना, इसके कैडर, संगठन को समझना होगा। अभी भी जिला से लेकर ब्लाक तक की इकाई, लोकसभा, राज्यसभा के सदस्य सब बालासाहब ठाकरे परिवार और उद्धव ठाकरे के साथ खड़े हैं। उद्धव ठाकरे और उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे ने पूरा जोर लगा रखा है। यही कारण है कि भाजपा पूरे घटनाक्रम में पर्दे के पीछे है, लेकिन फूंक-फूंककर कदम रख रही है। सूत्र का कहना है कि हम सब चाहते हैं कि गुवाहाटी गए सभी विधायक मुंबई आएं। सरकार का विश्वास मत तो सदन में ही होगा। एकनाथ शिंदे के पास 40 के करीब भी विधायक हैं, तो उन्हें सदन में सरकार को गिराने की प्रक्रिया के बारे में सोचना चाहिए। ये भरोसा शिंदे गुट की तरफ से भाजपा को मिला भी है, तभी मंगलवार रात फडणवीस राज्यपाल से मिलने भी गए और फ्लोर टेस्ट कराने की मांग की। जाहिर है ऐसे में शरद पवार के लिए बाजी को पलटना इस बार आसान नहीं लगता, लेकिन पवार इस खेल के बड़े खिलाड़ी रहे हैं, उनका आखिरी दांव क्या होगा, सबकी नजर इसी पर है।

## 'मोदी-योगी के चक्कर में पड़ोगे तो ये तुम्हारी शादी नहीं होने देंगे'

### अग्निपथ योजना के खिलाफ युवा पंचायत में बोले जयंत चौधरी

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**शामली।** अग्निपथ योजना के खिलाफ यूपी के शामली में युवा पंचायत को संबोधित करते हुए रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ पर जमकर निशाना साधा। रालोद अध्यक्ष ने सीएम योगी आदित्यनाथ और पीएम मोदी को लेकर विवादित टिप्पण भी की। उन्होंने कहा- खुद तो इन्होंने शादी करी नहीं या संभाली नहीं गई और तुम्हारी ये होने नहीं देंगे। यही नहीं बातों बातों में जयंत चौधरी आउट ऑफ कंट्रोल हो गए और पीएम मोदी और सीएम मोदी की तुलना बिजार से कर दी। उन्होंने कहा बिजार होते हैं ना जंगल में जिन्हें कोई टेंशन नहीं होती। मगर हम और आप तो परिवार वाले हैं। हमें तो टेंशन होती है। जयंत चौधरी ने युवाओं से कहा कि जब आप रिश्ता मांगने जाएंगे तो क्या कहेंगे सेना में थे और रिटायर हो गए? कौन लड़की देगा? लड़की वाले कहेंगे अब फिर चार साल बाद आना जब नौकरी लग जाए। जयंत ने आगे कहा कि इनका बस चला तो आप कुवारे ही रह जाओगे। किसान आंदोलन का जिक्र करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि ये कागजी शेर हैं। जब किसान 13 महीने रोड़ पर डट गए तो इन्हें मजबूरन कृषि कानून वापस लेना पड़ा। सरकार कह रह रही है कि हम इसे वापस नहीं लेंगे। संसद नहीं चल रहा था तो राष्ट्रपति से साइन कराकर सरकार कृषि कानून लाई थी लेकिन किसान आंदोलन के आगे सरकार को झुकना पड़ा। उन्होंने फिर कहा कि ये कागजी शेर हैं। युवा खड़ा हो जाएगा तो ये टिक नहीं पाएंगे। अब समय आ गया है कि युवा आंदोलन करें और ये कानून वापस करवाएं। शामली, बागपत,सहारनपुर और मुजफ्फरनगर जैसे कई इलाकों में रालोद अग्निपथ योजना के खिलाफ युवा पंचायत का आयोजन कर रही है जिसमें बड़ी संख्या में युवा जमा हो रहे हैं।

## असहमति दिखाओ, ईडी का नोटिस पाओः सुप्रिया सुले

**मुंबई।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सांसद सुप्रिया सुले ने मंगलवार को इस बात पर नाराजगी जतायी कि जो भी असहमति प्रकट करता है उसे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का नोटिस थमा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां बहुत गंभीर काम करती हैं, लिहाजा उन्हें पूरी तरह से स्वतंत्र होना चाहिए। सुले ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जिस प्रवर्तन निदेशालय को कुछ वर्ष पहले तक लोग जानते भी नहीं थे, उसके नोटिस ऐसे जारी किए जा रहे हैं, जैसे खैरात (दान) बांटी जा रही हो। बारामती से लोकसभा सदस्य सुले पुणे जिले में धनशोधन मामले के संबंध में शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत को ईडी द्वारा तलब किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थीं। सुले ने चुटकी लेते हुए कहा कि पांच साल पहले ईडी के बारे में कोई नहीं जानता था, लेकिन अब गांवों के लोग भी इस केंद्रीय एजेंसी के बारे में जानते हैं। उन्होंने कहा, प्रवर्तन एजेंसियों का काम बहुत गंभीर है। उन्हें पूरी तरह से स्वतंत्र होना चाहिए। जो कोई भी असहमति दिखाता है, उसे ईडी का नोटिस मिल जाता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेजे सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# कानपुर में फोम गोदाम में भीषण आग से लाखों का नुकसान, फंसा परिवार

**संवाददाता/सुनील बाजपेई**

**कानपुर।** बुधवार की सुबह नौबस्ता थाना क्षेत्र के देवकी नगर में बने फोम के गोदाम में भीषण आग लगने से लाखों का नुकसान हो गया। इस दौरान वहां पर एक परिवार भी फंस गया। जिसे बाद में दमकल कर्मियों ने बड़ी मुश्किल से बचाने में सफलता प्राप्त की।घटना की सूचना पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और राहत तथा बचाव कार्य संपन्न कराया। मिली जानकारी के मुताबिक नौबस्ता थाना क्षेत्र के देवकी नगर में बाबू पुरवा थाना क्षेत्र के

मुंशी पुरवा के मोहम्मद मेहताब आलम का दो मंजिला मकान है। जहां पर भूतल पर फोम का गोदाम भी खोल रखा है। इसी गोदाम में आज बुधवार की सुबह अचानक इलेक्ट्रिक पोल से आग आग लग गई, जिसने कुछ ही देर में पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। बाद में सूचना मिलने पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने लगभग 3 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है अगर कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

# कानपुर में दरिंदे ने मासूम को बनाया हवस का शिकार, गिरफ्तार

**संवाददाता/सुनील बाजपेई**

**कानपुर।** यहां वासना के भूखे भेड़िए ने 6 साल की एक मासूम को हवस का शिकार बना डाला। घटना में पुलिस ने उसे फरार होने के पहले गिरफ्तार भी कर लिया है। घटना महराजपुर इलाके की है। जहां आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ बगीचे ले गया था, जहां पर ही उसने इस घटना को अंजाम दिया। इस

बीच उसके परिवार वाले उसे खोजते हुए बगीचे पहुंचे जहां पर मासूम खून से लथपथ पड़ी हुई थी। इस बीच घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को फरार होने के पहले ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी धीरज इलाहाबाद का रहने वाला है और घटनास्थल वाले गांव में एक व्यक्ति खेतों की देखरेख करता था।

# विद्वान मास्टर अब्दुल्ला की पोती के अकीका आमंत्रण में शामिल हुए

**संवाददाता/मो सालिम आजाद**

**मधुबनी।** यह एक सच्चाई है कि बच्चे सर्वशक्तिमान ईश्वर का एक बड़ा आशीर्वाद हैं। बच्चे के जन्म के सातवें दिन अकीका करने की सर्वसम्मति से सिफारिश की जाती है। शरीयत ने सातवें दिन को अनुमेय घोषित किया है। जैसा कि आयशा कहती है! पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने सातवें दिन अकीका के रूप में हसन और हुसैन की ओर से दो बकरियों का वध किया। कुरान और हदीस के अनुसार, गुरु कबीर मास्टर अब्दुल मलिक के आदरणीय भाई ने सातवें दिन अपने कलेजे का अकीका किया। जमात-ए-अहल-ए-हदीस की प्राचीन संस्था 'अल-मईद अल-इस्लामी अमगाँव' और मदरसा मरियम सिद्दीकी फॉर गर्ल्स अमगाँव के गणमान्य विद्वान, क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियाँ और महान

राजनीतिक नेता उपस्थित थे।, शेख फाजिल अल -तैमी, शेख अब्दुल कय्यूम अल-सलाफी, शेख मुजीबुर रहमान अल-इस्लामी, शेख शरीफ अल-सलाफी, शेख अब्दुल राशिद अल-सलाफी, शेख अमरान अल-तैमी, शेख मुश्ताक अल-इस्लामी, शेख जियाउल्लाह नदवी, शेख फहीम अल- तैमी, शेख यासीन अथीर, शेख जहूर अल-सलाफी, मास्टर नजीब, शेख सऊद अल सलाफी, हाफिज मुशकुतुल्लाह, मास्टर अब्दुल कलाम ने निमंत्रण में भाग लिया। इस पावन अवसर पर देश के सभी बुद्धिजीवियों ने इस प्यारी बेटी के पूर्ण स्वास्थ्य और कुशलक्षेम की प्रार्थना की। एवं उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ। साथ ही बड़े भाई उच्च पदस्थ मास्टर अब्दुल मलिक साहब ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

# कांग्रेस का विजयन पर तीखा प्रहार, बोले- वायनाड के कार्यालय में तोड़फोड़ सीएम के इशारे से हुई

**केरल।** केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने सोमवार को मुख्यमंत्री पिनारई विजयन की सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि विजयन के कार्यालय के इशारे पर ही वायनाड में राहुल गांधी के कार्यालय पर हमला किया गया। केरल विधानसभा के सत्र की शुरूआत के पहले ही दिन कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दलों ने सदन से बहिर्गमन किया। नेता प्रतिपक्ष सतीशन ने कहा कि उन्होंने कभी भी इससे पहले मंत्रियों को नारेबाजी करते नहीं सुना है। उनका मानना है कि उनकी आक्रमकता मुख्यमंत्री को उनके कुछ अवांछित कारनामों के परिणाम से बचा लेगी। वायनाड में राहुल गांधी के कार्यालय पर हमला विजयन कार्यालय के निर्देश पर ही किया गया था। सुबह नौ बजे सत्र की शुरूआत होते ही सदन में हंगामेबाजी शुरू गई। इसके बाद स्पीकर एम बी राजेश ने टी वी चैनलों को प्रश्नकाल को कवर करने की इजाजत नहीं दी और उन्हें सेंसर किए गए विजुअल मुहैया कराए गए। इन विजुअल में विपक्ष के प्रदर्शन को हटा दिया गया था। मीडिया ने इसका व्यापक विरोध किया। स्पीकर के कार्यालय ने इस घटना को 'कम्युनिकेशन गैप' कहा। एक घंटे के अंतराल के बाद जब सदन की कार्रवाई दोबारा शुरू हुई तो विपक्ष को नारेबाजी करते देखा गया। स्पीकर ने जब कार्रवाई आगे बढ़ाने की कोशिश की तो नारेबाजी और तेज कर दी गई। सतीशन ने माकपा पर आरोप लगाया कि वह भारतीय जनता पार्टी का साथ दे रही है। उन्होंने कहा, विजयन कई मुद्दों में घिरे हैं और केंद्रीय जांच एजेंसी भी उनके पीछे है। इसी कारण वह भाजपा को तुष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इससे झुकेंगे नहीं। विजयन ने मीडिया पर भी सेंसरशिप लगाई है। वह नरेंद्र मोदी की नकल कर रहे हैं लेकिन हमलोग इसकी अनुमति नहीं देंगे। विजयन के विरोध में विपक्ष के छह नेता काली शर्ट और काले मास्क में सदन पहुंचे। विजयन ने इस माह की शुरूआत में कथित रूप से अपने कार्यक्रम स्थल पर लोगों को काले कपड़ों या काले मास्क में आने पर प्रतिबंधित कर दिया था।

# कोरोना वायरस में मामूली गिरावट, पिछले 24 घंटे में 11793 नए केस दर्ज

**नई दिल्ली।** भारत में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ रहे मामलों के बीच आज मामूली राहत दर्ज हुई है। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 12 हजार से कम मामले सामने आए है। हालांकि बीते दिनों से सामने आ रहे नए मरीजों के चलते एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 96,700 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 11,793 नये मामले सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या कुल चार करोड 34 लाख 18 हजार 839 हो गयी है। वहीं इस दौरान 27 अन्य मरीजों की मौत हुई है। देश में वीकली पॉजिटिविटी रेट 3.36 प्रतिशत है और डेली पॉजिटिविटी रेट 2.49 प्रतिशत है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 9486 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 27 लाख 97 हजार 092 रोगी कोविड से उबर चुके हैं। रिकवरी रेट 98.57 प्रतिशत है। देश में मौजूसा समय में एक्टिव केस की संख्या 96,700 है, जो कुल पॉजिटिव मामलों के 0.22 प्रतिशत हैं। देश में पिछले 24 घंटे में 4,73,717 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 86.14 करोड़ परीक्षण किए जा चुके हैं। इसके साथ ही आज सुबह आठ बजे तक 197 करोड़ 31 लाख 43 हजार 196 टीके दिये जा चुके हैं। पिछले 24 घंटे में 19 लाख 21 हजार 811 टीके लगाए गए हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# पुदीना स्वाद ही नहीं, सेहत के लिए भी है फायदेमंद

पुदीना खाने में स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए कॉफी फायदेमंद होता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो कई हेल्थ संबधी समस्याओं को ठीक करने में मदद करते हैं। गर्मियों के मौसम में हर घर में इसका इस्तेमाल खट्टी चीजें और चाय बनाने में किया जाता है। खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ यह शरीर में दवाई की तरह काम करता है। आज हम इससे होने वाले फायदों के बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप कई समस्याओं से छुटकारा पर सकते हैं।

**1. पेट दर्द से पाए राहत**

पुदीना पेट की समस्याओं के लिए काफी फायदेमंद होता है। जब कभी किसी का पेट अच्छी तरह से साफ न हुआ हो और पेट में दर्द हो रहा हो तो पुदीना एक दवाई की तरह काम करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए पुदीने को पीस कर पानी में मिला लें और फिर छान

कर पानी को पीएं। इससे आपकी पाचन शक्ति भी बढ़ेगी और पेट दर्द से भी राहत मिलेगी।

**2. गर्मी से दिलाए निजात**

पुदीने का इस्तेमाल खास कर गर्मियों में गन्ने के रस में, आम का पन्ना बनाने में, भोजन में किया जाता है क्योंकि यह शरीर में गर्मी से राहत दिलाता है। इससे नमी बनी रहती है और यह घबराहट, उल्टी, हैजा जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।

**3. मुंह की बदबू करें दूर**

कई बार ब्रश करने के बाद भी मुंह में बदबू आती रहती है आप इसे हटाने के लिए पुदीने के पत्तियों को चबा सकते हैं। इसके अलावा आप पुदीने को सूखा कर इसका चूर्ण बना कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप इससे मंजन की तरह दांत साफ कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके मसूड़े भी मजबूत होगें।

**4. हड्डियों को बनाएं मजबूत**

पुदीना हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसमें मैग्निशियम तत्व पाया जाता है जो हड्डियों के लिए जरूरी होता है।

5. कोलेस्ट्रोल लेवल ठीक रखें

पुदीने में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं जो बढ़े हुए कोलेस्ट्रोल लेवल को ठीक करने में मदद करता है।

**6. मोटापा घटाने में करें मदद**

जो लोग मोटापे से परेशान है वह वजन घटाने के लिए पुदीने का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो शरीर में जमा वसा को कम करते हैं और मोटापे से छुटकारा दिलाते हैं।

**7. घाव से दिलाएं राहत**

पुदीने में एंटी- बैक्टिरियल पाया जाता है जो घाव या चोट को ठीक करने में मदद करता है। जब आपके कभी घाव या चोट लग गई है तो आप पुदीने की पत्तियां मसल कर इसका पेस्ट बना कर घाव वाली जगह पर लगाएं।

**8. उल्टी या हिचकी रोकें**

अगर आपको कभी उल्टियां लग जाएं तो पुदीने का रस 1-1 चम्मच दिन में दो बार पीएं। हिचकी रोकने के लिए इसकी पत्तियां बहुत असरदार उपाय है।

# कहीं आप तो नहीं कर रहें बालों की कंडीशनिंग करते समय यह गलतियां

बालों को लेकर लड़कियां हर समय परेशान रहती हैं कि कहीं उनके झड़ते बाल उनकी पर्सनेलिटी को खराब कर न कर दें। इसी लिए वे अच्छी से अच्छी क्वालिटी का शैंपू और कंडीशनर इस्तेमाल करती हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि कंडीशनर बालों को मुलायम, शाइनी बनाने में मदद करता है लेकिन बहुत से लोग इसे लगाने के सही तरीके के बारे में जानते भी नहीं हैं। कंडीशनिंग करते समय जाने-अनजाने की गई गलतियां बालों को खराब भी कर सकती हैं। आइए जानें कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये कंडीशनर को लेकर ये गलतिया।

**बालों की जड़ों से कंडीशनिंग करना**

कुछ लोग शैंपू करने के बाद बालों की जड़ों से ही कंडीशनिंग भी करने लगते हैं। जिससे कई बार बाल झड़ने लगते हैं। इस बात को जान लें कि जड़ों को कंडीशनर करने की कोई जरूरत नहीं होती। सिर्फ बालों पर ही इसे लगाएं।

**शैंपू के बाद कंडीशनर न करना**

कंडीशनर बालों को मुलायम बनाने के साथ-साथ बाहरी धूल-मिट्टी से भी बचाव रखता है। बालों पर शैंपू कर रहे हैं तो कंडीशनर न लगाने के गलती न करें। इससे बालों को नुकसान पहुंच सकता है।

**जरूरत से ज्यादा न करें इस्तेमाल**

हर चीज का इस्तेमाल सही मात्रा में करना बहुत जरूरी है। अगर ज्यादा मात्रा में कंडीशनर लगाया जाए तो इससे बाल शाइनी दिखने की बजाए तैलीय लगने लगते हैं और आप भी फ्रैश फील नहीं करते।

**कंडीशनर लगाने में जल्दी करना**

कंडीशनर लगाने में जल्दबाजी न करें। सही रिजल्ट पाने के लिए इसे दिए गए निर्देश अनुसार बालों पर लगा रहने दें।

# दांत की सर्जरी के बाद न करें इन 2 चीजों का सेवन, पड़ सकता है भारी

कोई भी व्यक्ति जब डेंटल सर्जरी से फिर से ठीक हो रहा होता है, तब अच्छा आहार और पोषण का अत्यंत महत्व होता है। अगर व्यक्ती को पता है, की उसे क्या खाना चाहिए और वह उचित आहार लेता हैं, तो यह जल्दी ठीक होने की गारंटी देता है और अत्यधिक शुष्क गर्तिका और खून के बहने की संभावना को कम कर देता है। मौखिक सर्जरी के उपरांत का समय एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय होता है और दंत विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण के बिना प्रबंधित नही किया जाना चाहिए। यदि मरीज को कुछ एंटीबायोटिक दवाओं का निर्धारण किया गया है, तो उसे अपने आहार से डेयरी उत्पादों को बाहर करना पड़ सकता है। वास्तव में, सर्जरी के बाद कुछ दिनों के लिए रोगी को चाय या पानी या नरम खाद्य पदार्थों जैसे पेय पदार्थों को लेना चाहिए।

**ये बातें पता होनी चाहिए**

डेंटल सर्जरी की अवधि में, एक व्यक्ति को पता होना चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और अपने आहार में फाइबर और प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा शामिल करनी चाहिए। तरल पदार्थ भी आहार का एक प्रमुख हिस्सा होना चाहिए। अच्छे तरल आहार पदार्थों में पौष्टिक फल और सब्जियों के रस, मिल्क शेक, ऊर्जा पेय, त्वरित नाश्ता पेय और फल स्मूदी शामिल हैं। मौखिक सर्जरी के तुरंत बाद, ओटमिल, नरम अंडे, मुलायम फल, अच्छी तरह से पका चावल और दलिया, जैसे पदार्थों को रोगी के आहार में शामिल किया जाना चाहिए। कार्बोनेटेड या वातित पेय, गर्म तरल पदार्थ और मसालेदार भोजन लेने से बचें।

**इन खाद्य पदार्थों से परहेज**

रोगी उन खाद्य पदार्थों को टालना चाहिए जिससे सर्जरी स्थान पर जलन नहीं हो। कुछ भी जिसे चूसने की जरूरत होती है, उससे सख्ती से बचना चाहिए, क्योंकि इससे मुँह में खून के थक्का बन सकते हैं, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता हैं। हालांकि मांस और डेयरी उत्पाद प्रोटीन और ऊर्जा का एक बहुत अच्छा स्रोत होते हैं, उनका परहेज किया जाना चाहिए। इसके बजाय, आप मैश किए हुए आलू, नरम पनीर और टोफू खा सकते हैं।

**क्या खा सकते हैं**

डेंटल सर्जरी के बाद कैन्ड मछली, गरम पानी में पकी मछली, ह्युम्मस, मांस लोफ्स, मसला हुआ चितकबरा सेम और कटा हुआ मांस जैसे खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल कर सकते है क्योंकि उनको ज्यादा चबाने की आवश्यकता नहीं होती है। मूंगफली का मक्खन, बीज, और अखरोट के तेल की भी सिफारिश की जाती हैं। पुडिंग, दही, कस्टर्ड, वनस्पति शोरबा, आइसक्रीम, ऐपल्सॉस, क्रीमी सूप, और मैश किए हुए आलू सर्जरी स्थान के लिए बेहतर होते हैं।

**डेंटल सर्जरी**

डेंटल सर्जरी के बाद क्या खाना चाहिए यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है, जो हर रोगी को संबोधित किया जाना चाहिए। चिकित्सा और फार्मेसी के क्षेत्र में नए-नए रिसर्च ने सर्जरी की पद्धतियां और प्रक्रियाओं को रोगियों के लिए कम पीड़ादायक और अधिक सहनशील बना दिया हैं। क्योंकि जब रोगी घर लौटता है उस पर दवा का प्रभाव होता है, इसलिए उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह निर्धारित दर्द निवारक दवा नियमित लेना और डॉक्टर के अनुमोदन के बिना कुछ नहीं खाना चाहिए।

**दांतों की देखभाल कैसे करें**

ब्रश करने के लिए कोई मानक समय नहीं है। लेकिन ऐसी सलाह दी जाती है कि कम से कम दो मिनट तक ब्रश करें जिससे मुंह के अंदर की सतह से प्लेक के बैक्टीरिया निकल जायें। इससे दांतों की क्षति से भी बचाव हो सकेगा। अगर 6 महीनों तक ब्रश करने के बाद भी आपका ब्रश खराब नहीं हुआ है, तब भी नया ब्रश खरीदने में देरी ना करें। टूथब्रश अलग-अलग आकार, लम्बाई और गुणवत्ता के आते हैं। लेकिन डेंटिस्ट्स का ऐसा मानना है कि सही टूथब्रश की लम्बाई 25.5 से 31.9 मिलीमीटर होनी चाहिए और चौडाई 7.8 से 9.5 मिलीमीटर होनी चाहिए। अगर आपके दांतों पर काले-भूरे धब्बे नजर रहे हैं, खाना दांतों में फंसने लगा है, ठंडा-गरम लग रहा है या मसूड़ों से पस आ रहा है, तो डेंटिस्ट.से मिलने में देरी ना करें। निश्चित समयांतराल पर दंत चिकित्सक से मिलें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# दीपिका-रणवीर बने सबसे पावरफुल कपल

**कितना** अच्छा होता होगा न जब पति और पत्नी दोनों मिलकर कमाई करते हैं। तो सोचिए जब दो अमीर और फेमस सितारे शादी करते हैं। पैसे वालों की दुनिया में इन्हें पावर कपल कहा जाता है। वही बॉलीवुड में ऐसे कई पावर कपल हैं। जिन्हे बड़ी कंपनियां अपने ब्रांड को एंडोर्स करने के लिए इन्हें एक साथ विज्ञापनों में लेती है और यह दंपति मिल कर धन कमाते हैं। दोनों की इस कमाई को कंबाइंड नेटवर्थ कहा जाता है।वही हॉलीवुड में तो ऐसे कई कपल हैं ही। लेकिन एशिया में के पावर कपल की एक लिस्ट में बॉलीवुड की जोड़ियों को भी जगह दी गई है। वही इस पावर कपल की लिस्ट में हर साल वैसे तो कई जोड़ियां जुड़ती हैं। लेकिन इस बार लिस्ट चौथे नंबर पर अपना स्थान बनाया हैं बॉलीवुड की सबसे हिट और लोकप्रिय जोड़ी 'दीप-वीर' यानी दीपिका और रणवीर की जोड़ी। इस जोड़ी ने अब सिर्फ बॉलीवुड में तक ही नहीं बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बना ली हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार 2018 में शादी करने वाले दीपिका और रणवीर अपनी-अपनी फिल्मों तथा अलग-अलग विज्ञापनों से तो कमाते ही हैं, मिलकर भी तगड़ी कमाई करते हैं। 2022 में दोनों की कंबाइंड वर्थ 1237 करोड़ रुपये बताई गई है। वहीं दोनों की अलग-अलग संपत्ति भी काफी है। दीपिका की नेटवर्थ जहां 313 करोड़ रुपये हैं, वहीं रणवीर की नेटवर्थ 445 करोड़ रुपये है। इससे पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन ब्रांड्स ने एक अध्ययन में दीपिका-रणवीर को बॉलीवुड का सबसे पावरफुल कपल बताया था। इनका असर लोगों पर सबसे ज्यादा होता है।

# प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका के गर्भपात कानून के खिलाफ उठाई आवाज

**इंटरनैशनल** स्टार प्रियंका चोपड़ा केवल अपनी फिल्मों के कारण ही नहीं बल्कि सामाजिक मुद्दों पर कॉमेंट्स के लिए भी चर्चा में रहती हैं। हाल में यूएस के सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया है कि कोई भी लड़की बिना इजाजत अबॉर्शन नहीं करा सकती है। इसके बाद कई सिलेब्स ने इस फैसले पर नाखुशी जाहिर की है और इसमें प्रियंका भी शामिल हैं। इसके लिए प्रियंका ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति मिशेल ओबामा की पोस्ट शेयर की है। यह पहली बार नहीं है जबकि प्रियंका चोपड़ा ने किसी सामाजिक मुद्दे पर पोस्ट की हो। उन्होंने मिशेल ओबामा का पोस्ट शेयर किया है जो यूएस सुप्रीम कोर्ट के उसी फैसले पर है। मिशेल ने इस पोस्ट में लिखा, हां, मेरा दिल टूट गया। एक टीएनएज लड़की जो अपना स्कूल भी पूरा करने की स्थिति में नहीं है, उसे नहीं पता कि वह अपनी जीविका कहां से चलाएगी केवल इसलिए क्योंकि कानून उसके बच्चा पैदा करने के अधिकार पर फैसला देगा। अब ऐसी महिलाओं को बच्चा पैदा करने के लिए मजबूर होना होगा जो उनका पालन-पोषण नहीं कर सकतीं। उनके पैरंट्स अपने बच्चे का फ्यूचर बर्बाद होते देखेंगे। इनकी मदद हेल्थ केयर के लोग भी नहीं कर पाएंगे क्योंकि उन्हें जेल का डर होगा।

# जब शाहरुख और सैफ पर भड़के थे नील नितिन मुकेश

**बॉलिवुड** स्टार्स के बीच अकसर ही लड़ाई-झगड़े और मनमुटाव की खबरें आती रही हैं। कई बार तो कुछ स्टार्स ने एक-दूसरे पर हाथ तक उठा दिया। फिर चाहे शाहरुख खान का फराह खान के पति पर हाथ उठाना हो या फिर गोविंदा का एक फैन को थप्पड़ मारना। इस तरह की घटनाओं ने खूब सुर्खियां बटोरीं। लेकिन एक बार तो शाहरुख खान के साथ कुछ ऐसा हो गया था कि वह सुन्न पड़ गए थे। उन्होंने एक बार सैफ अली खान के साथ मिलकर नील नितिन मुकेश के नाम का मजाक उड़ाया। यह मजाक उन्हें किस कदर भारी पड़ा, यह जानने से पहले पूरा किस्सा जान लीजिए। यह बात कुछ साल पहले एक अवॉर्ड शो के दौरान की है। उस अवॉर्ड शो में एक रोस्ट सेगमेंट रखा गया था, जिसमें होस्ट शाहरुख और सैफ को अन्य स्टार्स का मजाक उड़ाना था और रोस्ट भी करना था। जब नील नितिन मुकेश की बारी आई तो शाहरुख खान ने उनसे कहा, मुझे तुमसे एक सवाल पूछना है। तुम्हारा नाम है नील नितिन मुकेश। भईया सरनेम कहां पर है? ये सारे के सारे तो फर्स्ट नेम हैं ना। तुम्हारा कोई सरनेम क्यों नहीं है। हम सभी का है, खान, रोशन। तुम्हारा कहां है सरनेम? शाहरुख की इस बात पर जहां नील नितिन मुकेश का चेहरा उतर गया था, वहीं ऑडियंस के साथ-साथ वहां मौजूद सारी फिल्मी हस्तियां हसंने लगीं। उस अवॉर्ड शो का वीडियो यूट्यूब पर अभी भी मौजूद है। शाहरुख द्वारा इस तरह नाम का मजाक उड़ाए जाने पर नील नितिन मुकेश का सब्र का बांध टूट गया और उन्होंने ऐक्टर से कहा था, 'आपने बहुत अच्छा सवाल किया है। थैंक यू शाहरुख सर और सैफ सर। क्या मैं यहां कुछ बोलने की इजाजत ले सकता हूं? फिर शाहरुख के हां कहने पर वह आगे कहते हैं, यह असल में मेरी बेइज्जती है। यह बिल्कुल भी सही नहीं है। मुझे लगता है कि आपने देखा नहीं कि मेरे पिता यहां बैठे हैं। आप दोनों ने बहुत ही बेतुका और बेहूदा सवाल पूछा है। हमेशा इस तरह के फिल्म पोडियम पर खड़े होकर मजाक बनाना सही नहीं है।' इसके बाद सैफ अली खान सॉरी बोलते हैं। वहीं शाहरुख चुप खड़े रहते हैं।